विषयः उत्तर प्रदेश में 17000 सुविधाकेन्द्र अगले दो तीन वर्षो में

महोदय,

“IT Industries in U.P.- The Road Ahead” विषय पर एक सेमीनार आई0आई0ए0 भवन, विभूतिखण्ड गोमतीनगर लखनऊ में 17 सितम्बर, 09 को 2.30 बजे से 5.30 बजे तक आयोजित किया गया। सेमीनार के मुख्य अतिथि श्री चन्द्र प्रकाश, आई0ए0एस0, प्रमुख सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, उत्तर प्रदेश सरकार थे।

सेमीनार का उद्घाटन श्री अनिल गुप्ता, अध्यक्ष, आई0आई0ए0 द्वारा मुख्य अतिथि के स्वागत से हुआ जिसमें उन्होने आज के उद्यमियो के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का महत्व बताते हुए कहा कि यद्यपि सूचना प्रौद्योगिकी का विकास भारत में बड़े पैमाने पर हुआ है परंतु उ0प्र0 उसमें अभी पिछड़ा हुआ है, उन्होने आशा व्यक्त की कि आज की संगोष्ठी में होने वाली चर्चाओं से हम उ0 प्र0 को आई0टी0 केन्द्र बनाने के लिए कुछ सफल निष्कर्श ले सकेंगें।अपने संबोधन में प्रमुख सचिव ने कहा कि प्रत्येक सरकार की अपनी प्राथमिकताएं होती है और कोई भी काम राजनैतिक इच्छा के बिना नहीं हो सकता। उनका मत है कि यदि नीति में दिए गए प्राविधानो का संचालन नहीं किया जा रहा है तो यह जनता के साथ धोखेबाजी है और उन्होने एक महीने बाद आई0आई0ए0 में दोबारा बैठक करने को कहा जिसमें सूचना प्रौद्योगिकी नीति में दिए गए जिन प्राविधानो का संचालन नहीं हो रहा है उसके बारे में बात करने को कहा जिसको वे ऊपर तक ले जाएंगें। प्रमुख सचिव ने बताया कि अगले दो तीन वर्षो में सरकार का गांव में 17000 सुविधाकेन्द्र स्थापित करने की योजना है। जिसके द्वारा उ0 प्र0 के ग्रामीण ऑन लाइन सेवाओं का लाभ उठा सकें। उन्होने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले कुछ ही वर्षो में उ0प्र0 में ई–गवर्नेन्स का पूर्ण रूप से संचालन हो जाएगा, उन्होने उद्यमियो को प्रेरित किया कि वे सरकार पर अपना दबाव बनाए रखें जो कि योजनाओं के सही संचालन के लिए अति आवश्यक है।

सेमीनार में प्रस्तुत प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों के प्रतिनिधियों के परिचय उपरांत टी0सी0एस0 के श्री हिमांशु कुमार ने उ0प्र0,लखनऊ में प्रौद्योगिकी/ प्रौद्योगिकी समर्थ सेवाओं का विकास विषय पर अपना प्रसेन्टेशन प्रस्तुत किया।

उन्होनें कहा कि यद्यपि उ0 प्र0 प्रौद्योगिकी नीति काफी अच्छी बनाई गई थी, परन्तु समस्या उसके सही संचालन की है। डा0 उपेन्द्र कुमार, यू0पी0टेक ने कहा कि पिछले 10 वर्षो में उ0 प्र0 ने एक भी बड़ी आई0टी0 कम्पनी नहीं आयी है एवं पिछले 5 वर्षो में आई0टी0 का निर्यात में योगदान गिरता ही जा रहा है, परन्तु अभी बहुत निराशा जनक स्थिति नहीं आयी है और प्रयत्न किया जा सकता है उ0 प्र0 को प्रौद्योगिकी की ओर ले जाने का।

उन्होने अवस्थापना की आवश्यकताएं बताते हुए आई0टी0 एस0ई0जेड0, पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को बेहतर बनाने पर जोर दिया।

धन्यवाद

भवदीय

डी0एस0 वर्मा

अधिशासी निदेशक